खबर संक्षेप

निःशक्त बच्चों की प्रतिभा को निखारने की जरूरत- सीईओ श्री मीना

मण्डला। अंतर्राष्ट्रीय विश्व दिव्यांग दिवस पर डाईट मंडला में दिव्यांग विद्यार्थियों की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना सम्मिलित हुए। उन्होंने जिले के समस्त विकासखंडों से विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित होकर आए दिव्यांग बच्चों के सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभाओं को देखा। जिला पंचायत सीईओ श्री मीना ने दिव्यांग बच्चों की खेल भावना एवं उनके जज्बे की सराहना की और कहा कि निःशक्त बच्चों में सामान्य बच्चों से कहीं ज्यादा प्रतिभा रहती है उनकी प्रतिभा को निखारने की जरूरत होती है। हम सभी का कर्तव्य है कि इन बच्चों को सबसे आगे लायें। उन्होंने सभी को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षकों और बच्चों को कार्यक्रम संपन्न करने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान कक्षा पहली से बारहवी तक के निःशक्त बच्चों ने विभिन्न कलाओं का आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया। तत्पश्चात प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दिव्यांग बच्चों को मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मीना के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, जिला शिक्षा केंद्र के श्री कृष्ण कुमार उपाध्याय, एपीसी सहायक परियोजना समन्वयक डाइट प्राचार्य, मुकेश पांडे एपीसी रमसा, सहायक संचालक लालसाय मसराम एवं विकासखंड के एमआरसी एवं जनपद शिक्षा केंद्र मण्डला बीआरसी अनादि वर्मा और बीएससी उपस्थित थे।

जल संचय अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत खुकसर के उमरिया नाला में बोरी बंधान कार्यक्रम संपन्न

मण्डला। जल संचय अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत खुकसर के उमरिया नाला में जल के संचय के लिए 150 बोरियों का बोरी बंधान किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी, विकासखण्ड समन्वयक संतोष कुमार झारिया, नवांकुर संस्था धेनु बाड़ी गौसंरक्षण समिति सेमरखापा की अध्यक्ष श्रीमती कुंती उलाडी, सृजन विकास समिति के कार्यक्रम समन्वयक जितेन्द्र लारेश्वर, सीएमसीएलडीपी छात्र राजकुमार संत, अमित, गोविंद एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जर्जर किचिन शेड में लग रहा स्कूल, तिरपाल लगाकर हो रही पढ़ाई

शिक्षा की बदहाली से आक्रोशित ग्रामीण

*** धनगांव रैयत के स्कूल का है मामला।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के जनपद पंचायत मंडला अंतर्गत ग्राम पंचायत छपरी सिलपुरी के पोषक ग्राम धनगांव रैयत में संचालित शासकीय उन्नत प्राथमिक शाला की स्थिति किसी भी तरह से शिक्षा विभाग की संवेदनशीलता को प्रदर्शित नहीं करती। आदिवासी बाहुल्य इस ग्राम में स्थित विद्यालय के 28 मासूम बच्चे आज भी एक जर्जर एवं अधूरा किचन शेड में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। यह किचन शेड लगभग 10×10 आकार का है, जहां कक्षा पहली से पांचवीं तक के छात्र एक साथ बैठकर पढ़ते हैं।

बारिश के दौरान पानी अंदर न आए, इसके लिए विद्यालय के शिक्षकों ने अस्थायी रूप से तिरपाल लगा दी है। बच्चों का भविष्य संवारने वाले इस विद्यालय की दयनीय स्थिति सरकार के गुणवत्ता युक्त शिक्षा के दावों पर सवाल खड़े कर रही है।

ग्रामीणों व अभिभावकों के अनुसार इस विद्यालय का भवन वर्ष 1998 के आसपास बना था, जो पिछले कई वर्षों से जर्जर हो चुका है। पिछले लगभग दो सालों से भवन उपयोग लायक नहीं रहा। गांव में कहीं सामुदायिक भवन या अन्य सुरक्षित स्थान उपलब्ध न होने पर विद्यालय प्रबंधन को आधे-अधूरे किचन शेड में ही तिरपाल लगाकर शिक्षण कार्य शुरू करना पड़ा। ये स्कूल का संचालन लगभग साल दो साल से चल रहा है।

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि उन्होंने कई बार वरिष्ठ कार्यालय को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं हो सकी। छोटे से कमरे में तिरपाल लगाकर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है, परंतु यह वातावरण शिक्षा की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है।

सबसे गंभीर समस्या मध्याह्न भोजन से जुड़ी है। चूंकि स्कूल में न भवन सुरक्षित है और न रसोईघर, इसलिए मजबूरन मध्यान्ह भोजन रसोइया के घर पर बनवाया जा रहा है। बच्चे वहीं जाकर भोजन करते हैं, क्योंकि खुले में भोजन कराने पर जानवरों से खतरे की आशंका बनी रहती है।

ग्रामीण व आदिवासी अभिभावक इस स्थिति से बेहद नाराज हैं। उनका कहना है कि छपरी गांव दूर पड़ता है, इसलिए बच्चों को वहीं भेजना संभव नहीं। मजबूरी में इसी जर्जर व्यवस्था में बच्चों को पढ़ाना पड़ रहा है।

इनका कहना है -

स्कूल भवन को लेकर हमारे सामने बड़ी समस्या है हमें बच्चों को पढ़ाने में बड़ी समस्या होती है, हमारी जिला के अधिकारियों से अनुरोध है की जल्द यहां स्कूल भवन का निर्माण कार्य कराया जाये।

-ददन यादव, शिक्षक,
शा. उन्नत प्राथमिक शाला धनगांव रैयत,छपरी, मण्डला

बहुत जल्द ही स्थल निरीक्षण कर स्कूल भवनों के निर्माण की कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ करवाई जाएगी। जिले के जर्जर विद्यालय भवनों की सूची भोपाल स्वीकृति हेतु प्रेषित कर दी गई है। ग्रामीण समुदाय को बेहतर शैक्षिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

-शैलेश मिश्रा,
क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य

गुरुकुल के आचार्यों व वीरांगनाओं का अद्भुत प्रदर्शन

*** गीता जयंती पर हुये कार्यक्रम में दिखाया अपना जौहर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला-गीता जयंती के अवसर पर मध्य प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम में काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल के आचार्य भीमदेव जी, ब्रह्मचारी गण तथा गुरुकुल परिवार ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वस्तिवाचन, वेद-मंत्रोच्चार, गीता पाठ और भजन प्रस्तुतियों के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

कार्यक्रम में गुरुकुल की आर्य वीरांगना दल की संचालिका सुश्री प्रीति मौर्य के मार्गदर्शन में आर्य वीरांगनाओं ने लाठी, तलवार, ढाल आदि पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों के साथ शौर्य प्रदर्शन किया। उनके अद्भुत कौशल और अनुशासन ने उपस्थित जनसमूह में जोश भर दिया। सभा में मौजूद लोगों ने तालियों और हर्षध्वनि के साथ इन प्रस्तुतियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर कलेक्टर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने गुरुकुल द्वारा सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

इसी क्रम में जिला जेल परिसर में भी गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। जिला जेल अधीक्षक संजय सहलाम के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में समस्त बंदियों ने भाग लिया। बच्चों द्वारा वेद पाठ एवं गीता पाठ की मनोहर प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर कर दिया। अधीक्षक महोदय स्वयं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं तथा गुरुकुल एवं सनातन धर्म संस्कृति की रक्षा व प्रोत्साहन हेतु निरंतर तन-मन-धन से सहयोग करते रहते हैं। उपस्थित जनों ने उनके इस सेवाभाव की प्रशंसा की एवं ईश्वर से उनकी समस्त मनोकामनाओं की पूर्णता की कामना की।

दुर्घटना में घायलों की जान बचाने वालों को मिलेगा 25 हजार रुपए का इनाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही मौतों को रोकने और गोल्डन ओवर में घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने एक नई पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में संपन हुई कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार राह-वीर योजना की शुरुआत की गई है। यह योजना प्रदेशभर में 21 अप्रैल 2025 से लागू कर दी गई है।

योजना का उद्देश्य गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को दुर्घटना के एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाना है, जिसे गोल्डन ऑवर कहा जाता है। इस दौरान घायलों को समय पर चिकित्सकीय सहायता मिल जाए तो उनकी जान बचाई जा सकती है।

नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र से किया जाएगा सम्मानित

जो भी व्यक्ति तत्परता से घायलों को अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाता है, उसे राह-वीर की उपाधि दी जाएगी और 25 हजार रुपए की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इतना ही नहीं, पूरे राज्य से चयनित राह-वीरों में से 10 सबसे योग्य राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपए का पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा।

इस तरह होगा चयन

राह-वीर का चयन जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित एक समिति द्वारा किया जाएगा। यह समिति संबंधित थाने, अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर प्रत्येक प्रकरण की समीक्षा करेगी। मूल्यांकन समिति में कलेक्टर, एसएसपी, सीएमएचओ तथा आरटीओ शामिल रहेंगे। यह समिति मासिक बैठक में प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा कर योग्य राह-वीरों का चयन करेगी। योजना का उद्देश्य न केवल दुर्घटनाओं में घायलों को समय पर सहायता दिलाना है, बल्कि समाज में जागरूकता और मानवीय संवेदनाओं को भी प्रोत्साहित करना है।

भक्ति भावना से मनाई गई भगवान दत्तात्रेय जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अवसर पर महाराष्ट्रीयन समाज एवं भगवान के अनुयायियों के द्वारा नाना घाट स्थित मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान दत्तात्रेय जयंती भक्ति भाव से मनाई गई। इस अवसर पर भगवान दत्तात्रेय जी का विधिवत पूजन अर्चन किया गया, भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इसमें भगवान के जन्म की कथा सुनाई गई, उनके जीवन आदर्शों का पालन एवं अनुसरण करते हुए उनके बताए गए मार्गों पर चलने के लिए प्रेरित किया गया।इसके पश्चात आरती पूजा के साथ भक्ति भावना से जयंती का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ, इस अवसर पर सभी परिवारों के लिए सुख समृद्धि के लिए कामना की गई। आयोजन के लिए बताया गया कि अनुयायियों के द्वारा मनाने की यह परंपरा पिछले 123 वर्षों से जारी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। आयोजन के समापन पर प्रसादी वितरण किया गया।

अव्यवस्था | **अधूरे सम्पवेल व पानी के टैंक निर्माण हेतु खोदे गये गड्ढे यूं ही हैं।**

जल जीवन मिशन बना भ्रष्टाचार का मिशन

*** अतिरिक्त राशि की मांग भी एक बड़ा मुद्दा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारत की आज़ादी का 79 वां वर्ष खत्म होने की कगार पर है इस बीच तमाम सरकारों का आमजन के विकास के एजेंडे में मुख्य रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पानी रहा है लेकिन अफ़सोस भारत की ग्रामीण जनता अब भी पीने के पानी जैसी मूलभूत जरूरत से जूझती दिख रही है, वहीं मंडला जिला के नागरिकों को समुचित जलापूर्ति हेतु आधे दर्जन से ज्यादा सरकारी/गैर सरकारी एजेंसियां निर्माण कार्य में लगी हैं, पर ग्रामीणों को उक्त योजनाओं का समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा जबकि आदिवासी बाहुल्य जिले और इनके कीमती वोटों की बदौलत से ही जिले में पीएचई मंत्री, सांसद, विधायक जैसे ओहदों पर सुशोभित हैं जिनके रहते ग्रामीण जनता के हित की योजनाएं दम तोड़ रहीं हैं।

केंद्र सरकार की महत्वाकाँची योजना ₹जल जीवन मिशन,, प्रदेश सहित मंडला जिले में वर्ष 2019 से चल रही है जिसे 2024 में पूर्ण हो जाना था, इस योजना के तहत हर घर 50 लीटर शुद्ध जल प्रदाय के साथ ही सभी स्कूलों, आंगनवाड़ियों, पंचायत भवनों अस्पताल, छात्रावास आदि में अध्यनरत छात्रों व आम नागरिकों को निर्बाध पेयजलापूर्ति करने का लक्ष्य था, लेकिन 5 वर्ष बीत जाने के बावजूद जिम्मेदार विभाग योजना को नियमतः मूर्तरूप नहीं दे पाया।

वहीं निवास तहसील के आसपास के ही दर्जनों गांवों में यह योजना दम तोड़ती दिख रही है, तब जंगलों से घिरे गांवों में इस योजना की क्या स्थिति होगी इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

जन शिकायत के साथ मैदानी पड़ताल में देखा गया कि किसी गाँव में अगर कार्य पूर्ण हो भी गया है तो वे भी कुछ माह जलापूर्ति के बाद बंद पड़ी हैं। तो वहीं अनेकों गांवों में अधूरे सम्पवेल व पानी के टैंक निर्माण हेतु खोदे गये गड्ढे तक ही कार्य छोड़ दिया गया है, और कहीं योजना की मुख्य लाइन को भी घोर लापरवाही से गड्ढे में ही छोड़ दिया गया है जबकि अधिकतर गांवों में मुख्य लाइन के साथ घरों तक जलापूर्ति हेतु पाइप भी डाले जा चुके हैं लेकिन ये सब पानी से व्याकुल सपोले की तरह सर उठाये खड़े हैं, जिन्हें ग्रामीण जन सरकारी योजना के प्यासे साँप कह रहे हैं।

वहीं सूत्रों के अनुसार विभाग अब कह रहा है कि आवंटित राशि आधे निर्माण कार्य में ही खत्म हो गई है और बाकी कार्य को करने में अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है और विभाग द्वारा सरकार से अतिरिक्त राशि मांग संबंधित कार्यवाही की जा रही है।

ऐसे में बड़ा सवाल यह कि या तो प्रथमतः विभागीय लागत सर्वे में बड़ी चूक की जा चुकी है या इस योजना को जिम्मेदार विभाग भ्रष्टाचार की बलि चढ़ाने पर आमादा है।

अतः अब विभाग को कार्य पूर्ण करने की अगली डेड लाइन 2027 तक मिलने की जानकारी मिल रही है, लेकिन फिर वही बड़ा और गंभीर सवाल यह कि जब लगभग 6 वर्षों में ये कार्य नहीं हो सका तब बाकी 2 वर्षों में ये कितना हो पायेगा कहना कठिन प्रतीत होता है। और बीते 2 से ढाई वर्षों से दुर्गति प्राप्त अधूरे खड़े लोहे के स्ट्रक्चर गड्ढे अधूरे पिलरों में पुनः निर्माण होगा तब इनका भविष्य क्या होगा राम जाने।

लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण हेतु पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देश

*** मासिक अपराध समीक्षा बैठक संपन्न।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला दिनांक 04/12/2025 को पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के निर्देशन में पुलिस कंट्रोल रूम मंडला में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित अपराधों के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के लिए सभी अधिकारियों को विशेष निर्देश प्रदान किए गए। अपराध समीक्षा के साथ विभिन्न विषयों पर थाना प्रभारी चौकी प्रभारी एवं अन्य स्टाफ को प्रशिक्षण भी दिया गया।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा, एसडीओपी मंडला, बिछिया, नैनपुर, निवास, डीएसपी महिला सुरक्षा मंडला, डीएसपी अजाक मंडला, सभी थाना प्रभारी, डीएसबी, रेडियो प्रभारी, कंट्रोल रूम प्रभारी, विशेष शाखा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक द्वारा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण, महिला एवं बाल अपराध से जुड़े मामलों पर संवेदनशीलता, साइबर अपराधों की रोकथाम, के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण हेतु नियमित गश्त, वाहन चेकिंग, निगरानी बदमाशों पर सतत कार्रवाई तथा नक्सल उन्मूलन हेतू नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक पुलिसिंग पर बल दिया गया।

स्पेलिंग त्रुटिसुधार

मैं **PRITI PAMNANI** पति **MAHENDRA PAMNANI** निवासी **CHANDAN COLONY DADA DANI-RAM WARD NO. 24 MAHARAJPUR MANDLA (M.P) 481665** कथन करती हूँ कि मेरे पासपोर्ट नं. **N 9670999** मे मेरे नाम की स्पेलिंग **PREETI PAMNANI** लिखी है जिसे मैने त्रुटि सुधार उपरांत **PRITI PAMNANI** कर लिया है यही स्पेलिंग मेरे आधार कार्ड पेन कार्ड व अन्य दस्तावेजों मे भी लिखा है। अतः मुझे **PRITI PAMNANI** नाम से जाना व लिखा जावे।

पुराना नाम - **PREETI PAMNANI**

त्रुटि सुधार उपरांत - **PRITI PAMNANI**

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

तेज ठंड भी नही रोक पाई माँ रेवा मैया के भक्तों की आस्था का जुनून, रात भर पैदल स्नान करने जाने वालों की सड़कों पर निकलते हुये देखी गई भीड, अगहन पूर्णिमा के मौके पर आस्था की डुबकी लगातकर किया पूजन अर्चन..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

सदा ही क्षेत्रवासियों को अपना आर्शीवाद प्रधान करते हुये खुशहाल बनाने वाली माँ नर्मदाजी के भक्तों द्वारा वैसे तो हर पूर्णिमा को आस्था की डुबकी लगाने के लिये लोग माँ नर्मदा तटों पर पहुंचते है। मगर जिस तरह बीते हुये गुरूवार यानि की अहगन पूर्णिमा के मौके पर माँ नर्मदा भक्तों के बीच आस्था को जुनून देखने मिला है वह निश्चित तौर से अनोखा था। क्योंकि तेज ठंड के चलते जहां लोगों का अपने घरों में विस्तर से निकलना मुश्किल हो रहा था। मगर इसके बाद भी हजारों की संख्या में माँ रेवा मैया के भक्त इस तरह देखे जा रहे थे कि यह ठंड भी उनके दिलों में पैदा ही भक्ति की भावना को रोकने में असफल रही और इसके बाद भी माँ नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की नगर की सड़को पर रात भर लाईन लगी हुई देखी गई जिसमें बच्चों से लेकर महिला पुरूष व वृद्व तक शामिल थें। माँ नर्मदाजी की आराधना में लीन भक्त जन रात के समय इस तरह पैदल नर्मदाजी के स्नान करने जाने वाले लोगों में सिर्फ पुरूष ही नही बल्कि इस तरह छोटे छोटे छोटे बच्चे भी शामिल थें जो गाडरवारा शहर के साथ यहां से लगभग 20-25 किलो मीटर दूर से पैदल चलकर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये ककरा घाट जा रहे थें। इस संबंध में ग्राम बारहरहाबड़ा निवासी माँ नर्मदा भक्त एक महिला ने चर्चा करते हुये बताया कि वह हर पूर्णिमा को पैदल चलकर नर्मदाजी के स्नान करने के लिये जाती है। इस तरह हम अपने घर से दोपहर दो बजे के लगभग पैदल निकलते है और शाम 7-8 बजे गाडरवारा पहुंच जाते है और रात भर पैदल चलते हुये सुबह 5 बजे माँ नर्मदाजी के ककरा घाट पहुंचकर स्नान करते हुये पूजन अर्चन करते है। हमे कभी भी न तो कोई थकान होती है और न ही कोई परेशानी। इसी प्रकार से ग्राम सिंहपुर छोटा निवासी एक 14 वार्षिय बालिका का कहना था कि हम अपने माता पिता सहित गांव के अन्य लोगों के साथ माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाते है और इस तरह पूर्णिमा के मौके पर अनेको बार जा चुके है। मगर कभी कोई परेशानी नही हुई है। इसी प्रकार से जब वह बुधवार की शाम तेज ठंड के बीच नर्मदाजी के स्नानों के लिये पैदल जा रही थे तो अनेक जगहों पर समाज सेवियों द्वारा चाय नास्ता सहित

नर्मदा भक्तों को अन्य प्रकार की सामग्री वितरण करते हुये देखा गया। नर्मदा भक्तों का कहना था कि भले ही आज ठंड तेज है। मगर हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने का क्रम नही छोड़ सकते है। जब हम पैदल चलते है तो न ठंड लगती है और न ही कोई परेशानी होती है। क्योंकि इस धरती पर हर व्यक्ति की रक्षा करने वाले माँ नर्मदा ही है जब जिस माँ की पूजन अर्चन करने के लिये हम ला रहे है तो फिर वह माँ अपने बेटों को यदि कोई परेशानी होगी तो खुद ही उसे चंद मिनिटों में हरण करने से नही चूकेगी। इस तरह से ग्राम गोटीटोरिया से पैदल नर्मदा स्नान करने के लिये जा रही एक वृद्व लगभग 65 वार्षिय महिला से चर्चा की गई तो उसका कहना था कि यह पहला अवसर नही है कि जब हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जा रहे है। हमारे द्वारा हर साल इस तरह पूर्णिमा के मौके पर तीन चार बार पैदल जाते है। जब उनसे पूछा गया कि अम्माजी इस तरह आज तेज ठंड के बीच आपको परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा.. तो उनका कहना था कि अब परेशानी तो घर बैठे भी आ सकती है। उस परेशानी को माँ नर्मदाजी हरण करती है तो फिर जब उनके चरणों का आर्शीवाद लेने के लिये जा रहे है परेशानी कहा से आ सकती है। इस तरह बीते हुये बुधवार की रात नगर की सड़को पर जहां इस तरह तेज ठंड के बीच हजारों की संख्या में माँ नर्मदा स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों के जत्थें रात भर निकलते हुये देखे गये तो दूसरी ओर सुबह होते ही क्षेत्र के गांवों में ट्रेक्टर ट्रालियों में सबार होकर भी हजारों लोग माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पहुंचे। इस तरह आगहन पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़े हुये हुजूम के चलते मेला जैसा दृश्य दिखाई पड़ने से नही चूक रहा था। यह नजारा क्षेत्र के सिर्फ ककरा घाट का ही नही बल्कि शोकलपुर, झिकोली, थरेरी, कोठिया, घघरौला खुर्द, लिंगा खुर्द, भटेरा घाट सहित अन्य घाटों का भी देखने मिला जहां पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा भक्तों ने नर्मदा तटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन करते हुये अनेक जगहों पर भगवान सत्य नारायण जी की कथा संपन्न कराई गई तो अनेक लोगों द्वारा भंडारे के आयोजन भी किये गये। वही दूसरी ओर भर्ता बाटी के बीच पिकनिक के नजारे भी देखने मिला। मगर इन भक्तों को उस दौरान परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है कि भीड़ के बीच से रात रात भर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी मजी रहती है। पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर क्षेत्र के नर्मदा तटों को पहुंचने वाले मार्गो पर एक रात के लिये इस तरह भारी वाहनो की धमाचौकड़ी पर प्रतिबंध के लिये लगातार भक्तों द्वारा मांग उठाई जाने के बाद भी जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने से नम्रदा भक्तों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक पा रहा है..? क्योंकि गाडरवारा के आलवा क्षेत्र के ग्राम सूखाखैरी, गोटीटोरिया, सिंहपुर, बारहाबड़ा, महगंवा सहित अन्य गांवों से पैदल जाने वाले नर्मदा भक्तों को देखा जाा है कि वह अपनी थकान मिटाने के लिये मुख्य रास्ते पर ही बैठ जाते है और बैठे बैठे बच्चों को नींद आने की स्थिति में वह चंद मिनिटों के लिये रास्तों पर ही सो जाते है। इस स्थिति में पूर्णिमा की रात इन भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी किसी दिन इन माँ नर्मदाजी के भक्तों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नही चूक पायेगी?

खबर संक्षेप

मंडी एवं नगर पालिका काम्प्लेक्स दुकानदारों पर लाखों बकाया, अनेक दुकाने चल रही किरायदार टू किरायदार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय जवाहर कृषि उपज मंडी द्वारा अपनी राजस्व आय बढ़ाने शापिंग काम्प्लेक्स दुकानों का निर्माण कराया गया था,लेकिन जिसमें कृषि उपज मण्डी द्वारा 152 दुकानों का निर्माण कराया गया था तथा नगर पालिका द्वारा संजय गांधी मार्केट में 13 दुकाने, गांधी मार्केट में 11 दुकाने व इंदिरा शापिंग काम्प्लेक्स में 64 दुकाने तथा कामथ काम्प्लेक्स में 24 दुकाने, पं. दीनदयाल बस स्टैण्ड में 10 दुकाने, चीचली रोड पर स्थित काम्प्लेक्स में 10 दुकानों का निर्माण कराया गया था, जिसमें से इन शापिंग दुकानों में से 126 दुकाने नगर पालिका द्वारा किराये से दी गयी। मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि कुछ लोगों द्वारा इन दुकानों को अपनी जुगाडू व्यवस्था के चलते किराय से लेकर अन्य दूसरे को किराय पर दे रखी है, जिनका किराया विगत लम्बे समय से न तो मंडी कार्यालय में जमा हो रहा है ओर न ही नपा में जिसके कारण इस समय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंडी प्रशासन को दुकानदारों से 30 लाख रूपया से ऊपर तथा नगर पालिका प्रशासन को कई लाख रूपया से ऊपर की राशि इन दुकानदारों से किराय के रूप में लेना बाकी निकल रहा है? बताया जाता है कि इन दुकानदारों में कुछ दुकानदारो की स्थिति तो कुछ इस प्रकार से बताई जाती है कि जिनका किराया लाख रूपया से ऊपर है, वही मंडी एवं नगर पालिका प्रशासन द्वारा बकाया किराया वाले दुकानदारों पर नियमानुसार नोटिस देकर दुकान खाली कराने का अधिकार होने के साथ साथ किसी शासकीय संपत्ति के संबंध में बताया जाता है कि जो व्यक्ति यदि किराय से लेता है तो उसका उपयोग वही करता है किरायदार को किराय से देने का अधिकार नही होता है मगर इसके बाद भी अनेक दुकान नियाम के खिलाफ किरायदार से किरायदार के रूप में चल रही है, लेकिन आज तक ऐसी कोई कार्यवाही मंडी एवं नगर पालिकस प्रशासन द्वारा की नही गयी है।

पुरानी धरोहर को पंचायत द्वारा किया जा रहा नजरअंदाज, जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर लगा रहा प्रश्न चिन्ह?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेडा। अक्सर देखा जाता था कि गांवों में स्थिति कुंआ व तालवों को लोगों द्वारा निमान मानते हुए सिर्फ उनका उपयोग ही नही बल्कि भगवान का स्वरूप देते हुए पूजन भी की जाती थी? और आज जिन गांवों में यह धरोहर स्थापित है उसे लोग उपयोग करते हुए आज भी उसे भाव से पूज रहे है? मगर वही दूसरी ओर कुछ गांवों में इस प्रकार का हाल देखा जा रहा है कि पंचायत के जनप्रतिनिधियों द्वारा इन पुरानी धरोहरों को नजर अदांज कर दिया गया है जिसके चलते वह बदहाली की स्थिति में पहुंच गई है? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी मिढवानी में देख्नने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि वर्षो पुरानी शासकीय कुआ का लोगों द्वारा कुछ हद तक आज भी उपयोग किया जाता है, मगर पंचयात की उदासीनत के चलते यह कुआ लगातार बदहाली का शिकार होता जा रह है? इस कुआ के सुधार हेतु पंचायत द्वारा आज तक कोई पहल नही की गई जिसका परिणाम है कि जहां कुंआ में भरा हुआ पानी खराब हो चुका है, वही जहां तहां कचरे के अम्बार लगे होने से लोग परेशान हो रहे है।

भूत छोड़ने की गुनाई के संदेह में की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये ग्राम नयागांव निवासी अमन पिता नारायण गिरी उम्र 38 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये जब मैं मोहल्ले के आशुतोष तिनगुरिया के घर के सामने बैठा था उसी समय गांव फद्दा जाटव अपने घर तरफ से गाली देते हुए बोल रहा था कि तूने मेरे उपर भूत छोड़ दिए हैं। फद्दा सीधे आशुतोष महराज के घर तरफ गया लोहे के दरवाजे में जंजीर से ताला लगा था जो फद्दा ने अपने दोनों हाथों से लोहे के दरवाजे को तोड़ते हुये घर के अंदर प्रवेश करते हुये तोड़ करते हुये क्षति पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया है।

धड़ल्ले से चल रहे है लकड़ी का अवैध परिवहन, खुलेआम बाजारों में बिक रहे सागौन लकड़ी से बनी सामग्री

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जगंलो की हो रही अंधा धुंध कटाई को लेकर सरकारों के साथ साथ आम लोगों भी चिंतिंत है प्रतिवर्ष सरकार द्वारा वृक्षारोपण के नाम से करोड़ो रूपया खर्च किया जाता है। मगर इसके बाद भी वृक्षारोपण कम ही नजर आता है..? वही दूसरी ओर जिस प्रकार से अंधाधुध हो रही वनों के साथ साथ राजस्व विभाग में लगे हुये हरे भरे वृक्षो की कटाई के चलते पूरी प्रकृति का वातावरण बदलता जा रहा है तो लकड़ी माफिया जलबे कर रहे है। इस तरह लगातार हो रही वनों की कटाई के साथ साथ जगंली जानवरों की भी लगातार मौत की खबर अब आम बात होती जा रही है। हैरत इस बात की है कि इन सब को रोकने लिए सरकार द्वारा वन विभाग बनाया गया है। मगर यहां के इस विभाग संपूर्ण कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में दिखाई देने से नही चूक पा रही है..? जिसका खुला उदाहरण है कि समीपस्थ जगंली क्षेत्र में लोगों द्वारा संबंधित विभाग की मिली भगत कहा जावे या फिर विभाग की उदासीनता से इमरती लकडी काटते हुए देखी जा रही है तो ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व विभाग की भूमि पर लगे हुये हरे भरे वृक्षों की लकड़ी माफियों द्वारा बलि चढ़ाने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि मा. उच्च न्यायालय द्वारा लगभग 53 किस्म के वृक्षों की कटाई सहित लकड़ी के परिवहन पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगाया गया है। मगर इसके बाद भी वन विभाग सहित राजस्व विभाग के जिम्मेदार माने जाने वाले अधिकारियों की मिली भगत से क्षेत्र के गांवों में किसानों के खेतों में लगे हुये आम, महुआ, बबूल सहित अन्य प्रकार के हरे भरे वृक्षों पर आरी चलाते हुये लकडी माफिया उन्हें धराशायी करते हुये परिवहन करने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि इस तरह हरे भरे वृक्षों का कत्लेआम करने वाले लोगों द्वारा क्षेत्र के

किसानों को जरा से लालच दिखाते हुये उनके खेतों में लगे हुये हरे भर व फलदार पेड़ो को कत्लेआम करते हुये बडे बडे शहरों में पहुंचाकर माला माल होने से नही चूक रहे है। इतना ही नही इस तरह लकड़ी की तस्करी करने वाले माफियों द्वारा आये दिन अधिकारियों पर अपनी बडे स्तर पर पहुंच होने का रौब झाड़ने से भी नही चूकते है। यह बात अलग है कि इस तरह लकड़ी के अवैध परिवहन में कुछ महिनों से रूकावट देखने मिल रही थी । मगर कुछ दिनों से फिर गति पकड़ते हुये दिखाई देने लगा है जिसका परिणाम है कि इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खेतों पर लगे हुये पेड़ो का जहां कत्लेआम होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर इस तरह काटे जाने वाले हरे भरे वृक्षों की लकड़ी या तो जिले से बाहर भेज दी जाती है या फिर गाडरवारा सहित अन्य शहरों में संचालित हो रहे टालो पर पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस तरह क्षेत्र में खुलेआम चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन की सच्चाई रात का अधियारा होते ही शुरू हो जाती है और जहां तहां लकड़ी से लदे हुये ट्रेक्टर ट्राली नजर आने लगे है। इस तरह चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन व कटाई को लेकर निश्चित तौर से वन विभाग की भूमिका सबालों के घेरे में आने से इसय्लिये नही चूक पा रही है। क्योंकि इस लकड़ी के अवैध कारोबार से जुडे हुये लकडी माफियों को आये दिन वन की रखबारी करने वाले अधिकारियों या फिर कर्मचारियों के बीच यारना संबंध निभाते देखा जाना आम बात बन चुकी है? इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में फिर हरियाली पर कुल्हाडी चलने के साथ साथ लकड़ी का परिवहन करने वाले वाहन सड़को पर दिखाई देना शुरू हो चुके है? क्योंकि आये दिन देखा जाता है कि क्षेत्र के मुख्य मार्गो से लेकर बाजारों म तो वन विभाग की नाक नीचे से इमरती लकड़ी का परिवहन होते हुये देखा जा रहा है।

रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाला कबाड कारोबार को लेकर अधिकारियों की अनदेखी खड़े कर रही सवाल..?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर में जहां तहां फैली हुई कबाड़ की दुकानों की सच्चाई किसी से छिपी नही है जिन पर जहां खुलेआम चोरी का समान खरीदने के साथ साथ अन्य सच्चाई आये दिन पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही में सामने आती जा रही है? क्यों के कबाड़ के कारोबार के चलते जहां कबाड़ी चंद दिनों में लखपति बन रहे है और इसी का परिणाम है कि यह कारोबार शहरों के साथ साथ अब गांवों में फैल रहा है, जिन पर जिस प्रकार की सामग्री खरीदी जाती है उसको पुलिस प्रशासन से लेकर क्षेत्र की आम जनता भी अच्छे से जान चुकी है? इसके आलवा नगर के अंदर जहां तहां संचालित होने वाली इन कबाड़ दुकानों के चलते नगर के साथ साथ आस पास निवास करने वालो लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बजते हुए देखी जा रही है? मगर इस सच्चाई को प्रशासन में बैठे हुये अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जाना सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि उनकी कार्य शैली पर प्रश्न बाचक चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है? बताया जाता है कि इन दुकानों पर कबाड़ के रूप में खरीदा गया प्लास्टिक की सामग्री इस प्रकार से होती है कि यदि उसमें जरा सी आग लग जावे तो उसे काबू में कर पाना मुश्किल ही नही बल्कि नामुकिन हो सकता है जिसके कारण कबाड़ दुकान के साथ साथ यह आग संपूर्ण क्षेत्र को अपने आकोश में लेने चंद मिनिट ही काफी हो सकते है...? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुए कुछ वर्ष पहले उस समय देखने मिल चुकी है जब नगर के वायपास मार्ग व पेट्रोल पंप के पीछे संचालित होने वाले एक कबाड़ दुकान में देखा गया जब रात के समय अचानक आग लग जाने के कारण चंद मिनिट में ही आग ने अपना विकराल रूप ले लिया गया, वह तो अच्छा यह हुआ की इस आग पर तुरंत काबू पा लिया गया नही तो पता नही नगर में क्या स्थिति निर्मित हो जाती इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है? क्योंकि जहां इस घटना स्थल से पेट्रोल पंपों की दूरी चंद कदम पर थी वही यह संपूर्ण क्षेत्र रहवासी माना जाता है जिसके चलते लोगों की जान पूर्णरूप से खतरे में नजर आने लगी थी? इस घटना को देखते हुए लोगों का कहना है कि इस प्रकार से नगर के अंदर रहवासी क्षेत्रों सहित स्कूलो व अन्य रहवासी क्षेत्रों में संचालितहो रही है जिसके चलते वहां पर रहने वाले लोगों को खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए जान पड़ रही है। इस प्रकार से नगर के अंदर जहां तहां रहवासी क्षेत्रों में कबाड़ खानों की भरमार देखी जा रही है जहां पर कबाड़ के रूप में एकत्र किये गये प्लास्टिक सामग्री का अम्बार लगा हुआ है जिसके चलते लोगों की जान खतरे से खाली नही देखी जा रही है? आमजन द्वारा शासन प्रशासन से मांग करते हुए कहा गया है कि इस प्रकार से संचालित होने वाले कबाड़ खानों को शहर के बाहर खुले मैदान में संचालित करने के आदेश जारी किये जावे जिससे लोगों की जान खतरे से बाहर आ सके? यदि समय रहते प्रशासन द्वारा इस प्रकार के कबाड़ खानों पर ध्यान नही दिया गया तो किसी दिन बड़ी घटना घटित होने से इंकार नही किया जा सकता है?

कहने के लिये बना हुआ है ब्लाक मुख्यालय अनेक कार्यालयों का संचालन हो रहा गाडरवारा से

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाते हुए मनमानी राशि खर्च की जा रही है, वही दूसरी ओर स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी के चलते बच्चों की अच्छी पढ़ाई नही हो पा रही है इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक शासकीय स्कूलों में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जहां सैकड़ो छात्र छात्राएं अध्यनरत है वही शासकीय इन शालाओं में पदस्थ अनेक शिक्षको अप डाऊन करने के कारण शालाओं में समय पर उपस्थित नही हो पाते है, जिसका परिणाम है कि कई शासकीय विद्यालयों की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यदि क्षेत्र के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में देखा जावे तो अनेक स्कूलों में शिक्षिकों की अनुपस्थिति बनी रहती है? वही ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलम आसानी से देखा जा सकता है, शिक्षा विभाग अच्छे वार्षिक परिणामों के लिए सतत प्रयासरत है। वही शासकीय शालाओं में शिक्षक गण देरी से पहुंचते है एवं समय के पहले शालाओं से कूंच कर देते है, जिसमें बताया जाता है कि अधिकांश शिक्षक शिक्षाकाएं बाहर से ट्रेनों के माध्यम से अप डाऊन करते हुए गाडरवारा से बस पकड़ने के बाद यहां तक पहुंच पाते है ऐसे में ट्रेन की लेट लतीफी के कारण वह समय पर शाला नही पहुंच पाते, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शासकीय शालाओं का अकास्मिक निरीक्षण करना चाहिए मगर उनके द्वारा निरीक्षण के नाम पर मात्र औपचारिकता पूर्ण करने की शैली के चलते अप डाऊन प्रवृति में लिप्त रहने वाले शिक्षकों के हौसले बुलंदियों पर नगर आने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि कई शिक्षक 2 दिन की छुट्टी की मंजूरी और सप्ताह भर छुट्टी मनाते है। ऐसे मै पढ़ाई प्रभावित होती है वही नौनिहालों के भविष्य की चिंता भी अभिभावक को सता रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कहने के लिए तो सांईखेड़ा ब्लाक मुख्यालय में अनेक शासकीय कार्यालय स्थापित है। मगर उनका संचालन गाडरवारा से होने के कारण यहां के शिक्षा विभाग के लिए बने हुए कार्यालयों में मात्र दिखाबा ही साबित होकर रह गये है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि इन कार्यालयों का संचालन जब गाडरवारा से ही होना है तो उनकी स्थापना यहां होने का क्या उपयोगिता है? जिनका मुख्यालय कहने के लिए तो ब्लाक स्तर पर है और संपूर्ण कार्य दूसरी जगहों से संचालित हो रहे है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सांईखेड़ा में ब्रह्माकुमारीज ने चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय साईं खेड़ा के द्वारा ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी एवं बीके यशवंत भाई के मार्गदर्शन में रविवार को समीपस्थ ग्राम पीपर पानी, टेकापार, पिपरिया कला, बांसखेड़ा, झिरिया माता, रमपुरा गांव पहुंचीकर ग्रामीण क्षेत्र में नशा मुक्ति कार्यक्रम चलाते हुये जोगों को नशा के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुये जागरूक किया गया। बताया जाता है कि इस अवसर पर प्रीती दीदी ने कहा की ईश्वर ने हमें मानव जीवन उपहार में दिया है इसे हम श्रेष्ठ कार्य में लगाएं और अपने जीवन से प्यार करें। जैसे हम अपनी कर में कभी पेट्रोल की जगह डीजल या डीजल की जगह पेट्रोल नहीं भरवा समते है। ठीक उसी तरह यह शरीर रूपी गाड़ी बहुमूल्य है । इसमें नशीले पदार्थ मांस मदिरा आदि का सेवन करके इसे असमय नष्ट न करे। क्योंकि नशा की लत लगने के चलते जो व्यक्ति नशा करता है सिर्फ वह ही नही बल्कि पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है। ईश्वर ने कितनी पौष्टिक प्राकृतिक ऊर्जा से भरपूर चीजें प्रदान की हैं हम उनका सेवन कर स्वस्थ रहें और अपने भारत देश को नशा मुक्त बनाने में सहयोगी बने। इस मौके पर बीके यशवंत भाई ने ग्रामीणों को नशे से मानव शरीर को होने वाले नुकसान के बारे में बहुत अच्छे से समझाया कि गुटखा तम्बाकू के सेवन से जीभ का कैंसर, गले एवं फेफड़ों में कैंसर होता है। इस दौरान लोगों को जागरूक करते हुये नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान मुख्य रूप से शशिभूषण ,भ्राता राजेंद्र शर्मा, बहिन श्रीमती सुधा शर्मा एवं अन्य लोग मौजूद थें।

एक एक बोरी खाद के लिये किसानों को दिन दिन भर खड़ा होना पड़ रहा है लाईनों में

हरिभूमि न्यूज/चीचली। भले ही सरकार द्वारा किसानों को सभी प्रकार की सुविधाए प्रदान करने की बात कहते हुये अपने आपको किसान हितैषी बताने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। यदि किसानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब किसानों को अपने खेतों में बोनी करने के लिये जिस सामग्री की जरूरत पड़ती है और वही समय पर तथा सही दामों पर न मिले तो फिर सरकार द्वारा अपने आपको किसान हितैषी कहने का क्या औचित्य...? क्योंकि इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार में बैठे हुये नेताओं से लेकर मंत्रीगण इस बात को न जानते हो कि किसानों को अपने खेतों में डालने के लिये किस समय कौन सी जरूरी सामग्री की आवश्यकता होती है तो फिर वही सामग्री समय पर उपलब्ध नही हो पाने के कारण जहां किसानों को परेशान तो होना ही पड़ता है साथ ही साथ आर्थिक बोझ झेलने के लिये मजबूर होना पड़ता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के किसानों की देखने मिल रही है। क्योंकि इस समय चल रहे बोनी के सीजन में क्षेत्र के किसानों के लिये डी ए पी हो या फिर यूरिया खाद की सबसे अधिक जरूरत महसूस की जा रही है। मगर दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में खाद नही मिलने के कारण क्षेत्र के किसान डीएपी तथा यूरिया खाद को दुकानों पर खोजने के लिये दिन रात एक करने से नही चूक रहे है और जब किसानों को मालूम हो जाता है कि यूरिया खाद कल उस दुकान पर आने वाला है तो वह अपने घरों से बगैर कुछ खाय पिये ही सुबह आकर दुकानों के सामने लाईन लगाने से खड़े हो जाते है जब कही मुश्किल से उन्हें एक बोरी खाद मिल पाता है। इस प्रकार से भूखे प्यासे किसान दिन दिन भर लाईनों में खड़े हुये देखे जा रहे है तथा इस बात का फायदा दुकानदार उठाने से भी नही चूक रहे है। बताया जाता है कि अनेक दुकानदार किसानों को एक बोरी खाद देने के बदले दुकान की अन्य सामग्री खरीदने के लिये मजबूर करने से भी नही चूकते है, जिसके चलते जहां किसानों द्वारा यूरिया प्राप्त करने के लिये न चाहते हुये भी दूसरी सामग्री खरीदना पड़ रही है जिसके किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पढ़ने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर किसानों का समय भी बर्बाद होते हुये देखा जा रहा है।

खबर संक्षेप

जिले के कृषकों का भ्रमण सह प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं आधुनिक कृषि उपकरणों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि अभियांत्रिकी विभाग अनूपपुर द्वारा विकासखण्ड जैतहरी के ग्राम चिल्हारी और चंदवार के कृषक समूह को आईटीसी चौपाल बायोधान केन्द्र सतना में भ्रमण कराया गया। भ्रमण में नरवाई प्रबंधन यंत्र के कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। कृषकों को विशेष रूप से बेलर मशीन से पराली को कॉम्पैक्ट बंडल बनाते हुए दिखाए गए। बेलर द्वारा बनाए गए बंडल को पेपर मिल, बायो सीएनजी प्लांट आदि में इस्तेमाल हेतु बेचा जा सकता है, जो कृषकों हेतु लाभ एवं अतिरिक्त आय का स्त्रोत है। कृषि अभियांत्रिकी विभाग की सहायक यंत्री सुप्रिया अहिरवार ने बताया कि नरवाई प्रबंधन यंत्रो में अनुदान पाने के लिए इच्छुक कृषक ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। कृषक सुपर सीडर, बेलर, हैप्पीसीडर, स्मार्ट सीडर, मल्चर, स्ट्रॉरीपर, स्लेशर जैसे यंत्री पर अनुदान का लाभ उठा सकते हैं।

7 दिसंबर को होगा गणित एवं विज्ञान ओलम्पियाड

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो ने बताया है कि कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए गणित एवं विज्ञान ओलम्पियाड का आयोजन 07 दिसंबर रविवार को किया जाएगा। यह परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी। जिसमें प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक विज्ञान विषय की परीक्षा एवं दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक गणित विषय की परीक्षा सम्पन्न होगी। इस ओलम्पियाड का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता, समस्या समाधान कौशल तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को चिकित्सा, तकनीकी एवं अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भविष्य की संभावनाओं के लिए तैयार किया जाएगा।

जिले में अब तक 1519.039 मेट्रिक टन धान की खरीदी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते ने बताया है कि अनूपपुर जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में एक दिसम्बर से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन शुरू हो गया है। पंजीकृत किसानों से सामान्य औसत किस्म का धान 2369 रुपए तथा ग्रेड ए का धान 2389 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। जिले में अब तक 334 किसानों से 1519.039 मेट्रिक टन धान की खरीदी की गई है।

स्कूल स्तरीय खिलाड़ियों का किया गया चयन

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो के मार्गदर्शन में जिले में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों एवं शासकीय हाईस्कूल विद्यालयों में विद्यालय स्तर पर फुटबाल एवं बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय स्तर पर चयनित प्रतिभागियों का विकासखण्ड मुख्यालयों पर खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन पूर्ण किया गया है। विकासखण्ड अनूपपुर में विकासखण्ड स्तरीय फुटबाल एवं बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता जमुना कॉलरी स्थित डॉक्टर अब्दुल कलाम स्टेडियम एवं वंकिम विहार में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में शा.उ.मा.वि. जमुना कालरी, शा.उ.मा.वि. लतार, शा. हाईस्कूल रेउंदा, शा. कन्या उ.मा.वि. बदरा कालरी, शा. उ.मा.वि. मलगा, शा. उ.मा.वि. पोंड़ी चोंड़ी, शा. उ.मा.वि. राजनगर के कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं के बालक बालिकाओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी जिला स्तरीय फुटबाल एवं बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इस दौरान जनपद पंचायत अनूपपुर की अध्यक्ष श्रीमती धनमती सिंह, नगरपालिका पसान के उपाध्यक्ष अजय यादव, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कमलकांत वर्मा, राजेश सिंह, जनप्रतिनिधिगण सहित संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य, विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं कृषि सहित विभिन्न विभागों की विकास गतिविधियों की समीक्षा

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

डिंडौरी न्यूज

कलेक्ट्रेट सभागार में आज कलेक्टर की अध्यक्षता तथा नीति आयोग की अधिकारी अंकिता सिंह की विशेष उपस्थिति में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (बजाग, करंजिया, मेहंदवानी) की प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संस्थागत प्रसव, गर्भवती एवं धात्री माता के पोषण एवं स्वास्थ्य, कुपोषण उन्मूलन, डायबिटीज एवं हाइपरटेंशन नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर विकासखंडवार समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

नीति आयोग की अधिकारी अंकिता सिंह ने पोषण सुधार हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभागीय एप्लीकेशन अपडेट होने पर शीघ्र एवं अप-टू-डेट ट्रेनिंग देने के निर्देश दिए। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण आहार की नियमित सप्लाई सुनिश्चित करने, स्वच्छता बनाए रखने तथा गुणवत्ता परखने हेतु अधिकारियों द्वारा समय-समय पर आंगनबाड़ी केंद्रों में भोजन निरीक्षण करने पर बल दिया।

जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी ने बताया कि जिले में स्वच्छता साथी नियुक्त किए गए हैं, जो आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय एवं परिसरों की साफ-सफाई सुनिश्चित करेंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल सुविधा अनिवार्य करते हुए PHE विभाग से समन्वय कर नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक में शिक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए नीति आयोग की अधिकारी अंकिता सिंह ने कहा कि विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही कृषि विभाग अंतर्गत पीएम किसान, सॉइल हेल्थ कार्ड, जल संसाधन, भू-जल विकास एवं आधारभूत संरचना से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रोजेक्ट प्रपोजल के तहत मधुमक्खी पालन एवं शहद प्रोसेसिंग, जैविक कृषि उद्यम, मशरूम उत्पादन एवं मार्केटिंग को बढ़ावा देने संबंधी निर्देश अधिकारियों को प्रदान किए गए।

कलेक्टर ने समग्र विकास कार्यों में गति लाने तथा जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए सभी अधिकारियों को पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण एवं कंप्यूटर साक्षरता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन और स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अनिल कुशराम के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण एवं कंप्यूटर साक्षरता दिवस पर कार्यक्रम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. सौरभ सामंत ने राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण एवं कंप्यूटर साक्षरता की ओर ध्यान केंद्रित किए और पर्यावरण के प्रति जागरूक होने चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण की मुख्य उद्देश्य "प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र" के तहत विद्यार्थियों को महाविद्यालय के आस पास कचरे सुखा, गीला, प्लास्टिक, अनुपयोगी दवाओं एवं इलेक्ट्रॉनिक आदि कचरे कोडस्टबिन संग्रहित इसकी सुरक्षित निपटारा करने के लिए जागरुकता का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के स्टॉफ डॉ. अनिल कुशराम, डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी, जयदीप दुबे एवं छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय प्रभारी अधिकारी का मेहंदवानी भ्रमण

डिंडौरी न्यूज।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विकासात्मक पहलों की प्रगति की समीक्षा हेतु नीति आयोग, नई दिल्ली से केंद्रीय प्रभारी अधिकारी अंकिता सिंह द्वारा मेहंदवानी विकासखंड का भ्रमण किया गया। इस अवसर पर सभी प्रमुख विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद मेहंदवानी प्रमोद ओझा, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विपिन डहरिया, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सी. एस. सिंह, विकासखंड शिक्षा अधिकारी शामद सिंह मरावी, ब्लॉक स्त्रोत समन्वयक आनंद दुबे, आजीविका मिशन विकासखंड प्रबंधक राजेश कछवाहा, आकांक्षी ब्लॉक फेलो सर्वेश गुप्ता तथा डॉ. विकास जैन उपस्थित रहे।

भ्रमण के क्रम में केंद्रीय प्रभारी अधिकारी द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र कुकर्रा, उप-स्वास्थ्य केंद्र बहादुर, सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं तथा पोषण पुनर्वास केंद्र मेहंदवानी का मैदानी निरीक्षण किया गया।

इस दौरान श्रीमती सिंह ने आंगनवाड़ी केंद्रों में गर्भवती एवं धात्री माताओं के पोषण प्रबंधन, बच्चों हेतु पूरक पोषण, "सांझा चूल्हा" के अंतर्गत प्रदत्त भोजन, प्री-स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता तथा ग्रोथ मॉनिटरिंग की व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उप-स्वास्थ्य केंद्र में मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, एएनसी जांच, टीकाकरण, उच्च-जोखिम गर्भवती महिलाओं की पहचान तथा 102/108 आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता पर भी चर्चा की गई।

दौरे के समापन पर श्रीमती सिंह ने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु विभागीय समन्वय, नियमित निगरानी, मैदानी फॉलो-अप तथा विकासखंड विकास रणनीति का पुनः अध्ययन कर सामुदायिक सहभागिता का शामिल होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्य एवं पैरामीटरों के अनुरूप समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने, नवाचारों को प्रोत्साहित करने तथा सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने डेटा आधारित योजना निर्माण तथा सतत मूल्यांकन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया।

कलेक्टर ने नेशनल हाईवे जबलपुर-अमरकंटक 45 के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए

सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक संपन्न, दुर्घटना संभावित स्थलों पर त्वरित सुधार कार्य के निर्देश

डिंडौरी न्यूज।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने नेशनल हाईवे जबलपुर-अमरकंटक 45 के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर को बैठक में अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। नगर में अतिक्रमण हटाने हेतु नगर पालिका को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुधार कार्य के निर्देश

नेशनल हाईवे अथॉरिटी को सड़क के मोड़ों पर संकेतक लगाने एवं दुर्घटना संभावित स्थलों पर रेडियम लगाने के निर्देश दिए गए। किकरझर घाट स्थित अत्यधिक दुर्घटना संभावित मोड़ को सीधा करने तथा सड़क किनारे झाड़ियों की सफाई शीघ्र करने को कहा गया। इसके साथ ही शारदा टेकरी मोड़, मूसरघाट नेवसा मोड़, किकरझरघाट के चिन्हित मोड़ों पर सुधार कार्य तत्काल किया जाना निर्देशित किया गया।

नगर परिषद को साकेत नगर रोड पर सड़क मरम्मत एवं नाली निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा वीरांगना रानी अवंतीबाई चौक से अतिक्रमण हटाने के लिए राजस्व एवं नगर पालिका विभाग को संयुक्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। नगर में ऑटो पार्किंग हेतु उपयुक्त स्थान चिन्हित करने के लिए ट्रैफिक एवं नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

पुरानी डिंडौरी में सड़क किनारे लगने वाली सब्जी मार्केट को रेस्ट हाउस के नीचे चिन्हित स्थल पर शिफ्ट करने एवं स्थल को समतल करने के निर्देश दिए, ताकि दुकानदारों को परेशानी न हो और यातायात में सुगमता बनी रहे।

हिट एंड रन प्रकरणों की समीक्षा

01 जनवरी 2024 से 30 अक्टूबर 2025 तक जिले में हिट एंड रन के कुल 28 प्रकरण दर्ज हुए। गोवंश सुरक्षा और वाहनों की सुरक्षा मार्ग में गोवंश न छोड़े जाने हेतु नगर परिषद द्वारा पशुओं को मार्ग से हटाकर गौशाला भेजने की कार्यवाही की आवश्यकता बताई गई। देहात क्षेत्रों में ग्राम कोटवारों द्वारा मुनादी कर लोगों को जागरूक किया जाएगा। गोवंश के सींग एवं गले में रेडियम पट्टी लगाए जाने को अति-आवश्यक बताया गया, जिससे रात्रिकालीन दुर्घटनाओं को रोका जा सके। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को में उपचार दिलाने की मंशा से गुड सेमेरिटन योजना लागू है।

- गंभीर रूप से घायलों को अस्पताल पहुँचाने वाले व्यक्ति को 25,000 प्रोत्साहन राशि एवं प्रमाणपत्र प्रदाय का प्रावधान है।

- ऐसे व्यक्तियों को राहवीर की परिभाषा में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित 10 राहवीरों को 1,00,000 की नगद राशि से सम्मानित किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य – सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों का जीवन बचाना एवं समय पर चिकित्सीय सहयोग उपलब्ध कराना।

बैठक में पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, शहपुरा एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा, परिवहन अधिकारी सुरेंद्र गौतम सहित यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

गाली-गलौच और मारपीट करने वाले 2 आरोपियों को न्यायालय उठने तक की सजा

अभियोजन पक्ष की मजबूत दलीलों के आधार पर न्यायालय का फैसला

डिंडौरी न्यूज।

सहायक मीडिया सेल प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि थाना शहपुरा अंतर्गत वर्ष 2020 में दर्ज मारपीट एवं गाली-गलौंच के एक मामले में न्यायालय ने दो आरोपियों को दोषी पाते हुए न्यायालय उठने तक की सजा एवं प्रत्येक पर 1000-1000 रुपये का आर्थिक दंड लगाया है।

मामला थाना शहपुरा के अप0क्र0 184/2020 एवं प्र0क्र0 229/2020 से संबंधित है। आरोपी 1. लखन पिता लल्लू बरमैया (54 वर्ष) एवं 2. लल्लू झारिया पिता भददू (46 वर्ष) निवासी ग्राम कंचनपुर, थाना शहपुरा, जिला डिंडौरी के विरुद्ध धारा 294, 323, 427, 506, 34 भादंवि के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था।

यह है पूरा मामला

फरियादी द्वारा दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, वह ग्राम कंचनपुर में रहकर खेती किसानी करता है। दिनांक 22 जून 2020 को सुबह करीब 9:30 बजे वह अपने वाड़ी के खेत में धान की फसल देखने गया था, तभी आरोपी लखन बरमैया दो ट्रैक्टर एवं अपने साथियों लल्लू झारिया, संजय दुबे और गोहा झारिया के साथ खेत में आया। लखन ने दावा किया कि जमीन उसकी है और वह दोबारा बोनी करेगा, जिसके बाद आरोपियों ने ट्रैक्टर से खेत की जुताई शुरू कर दी।

फरियादी द्वारा रोकने पर लखन और लल्लू झारिया ने उसे गाली-गलौंच किया, कॉलर पकड़कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी, वहीं संजय दुबे और गोहा झारिया ने भी लात-घूंसों से हमला किया, जिससे फरियादी जमीन पर गिर गया। घटना के दौरान उसकी शर्ट फट गई और दाहिने हाथ में चोट आई, साथ ही धान की फसल नष्ट हो गई, जिससे उसे काफी नुकसान हुआ। शोर सुनकर उसके पिता और बेटी मौके पर पहुंचे, तब आरोपी ट्रैक्टर लेकर फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना उपरांत अदालत में चालान प्रस्तुत किया।

न्यायालय का फैसला

माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शहपुरा ने अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को धारा 324/34 भादंवि के अंतर्गत दोषी पाते हुए न्यायालय उठने तक की सजा एवं 1000-1000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया। उक्त मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से प्रमोद कुमार पटेल, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी शहपुरा द्वारा सशक्त पैरवी की गई।

नर्मदा परिक्रमावासियों से दान के नाम डराकर अवैध वसूली

प्रशासन ने साधी चुप्पी, तत्काल कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नर्मदा परिक्रमा भारत की सबसे प्राचीन, पवित्र और कठोर धार्मिक यात्राओं में से एक मानी जाती है। यह परिक्रमा नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक से शुरू होती है और पुनः अमरकंटक में ही समाप्त होती है। जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक में माँ नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। श्रद्धालु देश के हर कोने से आ रहे हैं, नर्मदा परिक्रमा यात्रियों को कोई परेशानी न हो इसलिए प्रशासन कई तरह की व्यवस्था बनाकर रखी है। श्रद्धालु अमरकंटक में स्थित नर्मदा कुण्ड, कपिलधारा, दूधधारा, तथा पास के स्थलों में माई की बगिया और श्री ज्वालामुखी देवी मंदिर परिक्रमा शुरू करने से पहले विशेष रूप से दर्शन किए जाते हैं। माना जाता है कि अमरकंटक में की गई पूजा और संकल्प परिक्रमा की सफलता का आधार होता है। मगर प्रशासन के सारे दावे यहाँ पर फेल नजर आ रहे हैं।

वायरल वीडियो ने मचाई सनसनी

नर्मदा परिक्रमा यात्रियो को नर्मदा मंदिर से लेकर माई की बगिया समेत अन्य सभी स्थानो पर जगह-जगह भ्रमित, परेशान किया जा रहा है, लूटा जा रहा है। इसी प्रकार सोशल मीडिया में श्रद्धालुओ को बेवजह परेशान करने व दान के नाम पर अवैध रुपए वसूलने का वीडियो वायरल हो रहा है। एक वाहन मालिक जिनका नाम मोनू जैन है वह अमरकंटक में आने वाले साधु-संत, तपस्वी, भक्त श्रद्धालु, योगी, आध्यात्मिक साधक व कठिन यात्राओं के इच्छुक यात्री को आस्था के नाम पर तट परिवर्तन, दान, अमरकंटक प्रवेश के नाम, दर्शन कराने, वाहन के नाम पर प्रतिदिन पर सैकड़ो यात्रियों से हजारों रुपए की अवैध वसूली चलाकर अपना गोरखधंधा के दिनों से चला रहा है। यह मोनू जैन बच्चे, बूढ़े गरीब व महिलाओं से भी अवैध वसूली करके अपने पैर पड़वाता है। मोनू जैन यात्रियो से कहता है कि यहाँ नवली का दान लगता है और अपने आप को केवट बताकर डर दिखाकर की अगर यहाँ दान नही दिया तो नर्मदा परिक्रमा को कोई पुण्य नही मिलेगा 100 सौ रुपए से लेकर 1000 एक हजार तक ले लेता है। प्रशासन के नाक के नीचे मोनू जैन श्रद्धालुओ को लूटने का इतना बड़ा कारनामा कर रहा है और प्रशासन को सब जानकारी रहते हुए भी अनभिज्ञ नजर आ रही है।

जल्द कार्यवाही की मांग

अमरकंटक का वातावरण आध्यात्मिक, शांत और देवत्व से भरा रहता है। परिक्रमा शुरू करते समय यहीं पर भक्त 'परिक्रमा व्रत' लेते हैं और जीवन के सभी कष्टों को माँ नर्मदा को समर्पित कर यात्रा पर निकलते हैं। नर्मदा परिक्रमा पापों से मुक्ति और पुण्य की प्राप्ति, जीवन के दुखों का निवारण, मन की शांति और स्थिरता, आध्यात्मिक उन्नति,

---

मानिकपुर में दो दिवसीय मड़ई का आगाज़, झूलों–दुकानों से गूंजी रौनक, पहले दिन रहा उत्साह

डिंडौरी न्यूज।

शहपुरा विकासखंड के ग्राम मानिकपुर में बुधवार से परंपरागत दो दिवसीय मड़ई का भव्य शुभारंभ हुआ। सुबह होते ही मैदान में दुकानों की कतारें सजने लगीं, और कुछ ही घंटों में पूरा परिसर ग्रामीणों की आवाजाही से गुलज़ार हो गया। मड़ई के पहले ही दिन महिलाओं, बच्चों व परिवारों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे आयोजन स्थल में उत्साह और रौनक देखते ही बन रही थी।

दुकानों की चमक और झूलों का उत्साह

मड़ई में मिठाई, कपड़े, बर्तन, चादर–गोदरी, प्लास्टिक व स्टील उत्पाद, सजावटी सामग्री और परिवारिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की दुकानों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों के लिए लगाए गए झूले, हवाई चक्र, मैजिक शो, रोलर झूला और खिलौने की दुकानों पर दिनभर भारी भीड़ रही। सिंघाड़ा, गन्ना, गुड़गप्पा, चाट–फुलकी, समोसा- कचौरी और स्थानीय व्यंजनों की सुगंध से पूरा मैदान जीवंत दिखाई दिया और लोगों का उत्साह लगातार बढ़ता गया।

ग्रामीण संस्कृति का जीवंत स्वरूप

मानिकपुर मड़ई की शुरुआत के साथ ही दूर-दूर के गांवों से ग्रामीण बड़ी संख्या में परिवार सहित पहुंचे। महिलाओं ने कपड़ों और घरेलू सामग्री की खरीदारी में विशेष रुचि दिखाई, वहीं बच्चे मनोरंजन के विभिन्न खेलों में मग्न रहे। स्थानीय बुजुर्गों ने बताया कि मड़ई सिर्फ एक बाजार नहीं बल्कि ग्रामीण परंपरा और आपसी मेल-जोल का प्रतीक है, और इस आयोजन ने एक बार फिर वही आत्मीयता लौटाई है।

व्यापारियों को मिली अच्छी आमद

आसपास के क्षेत्रों से आए बड़े संख्या में व्यापारियों ने अपनी दुकानों के साथ मैदान में डेरा डाला है। पहले ही दिन अच्छी बिक्री होने से व्यापारियों के चेहरे खिल उठे और आने वाले दिनों में और अधिक भीड़ व कारोबार की उम्मीद जताई जा रही है।

आज होगा गुदरी मड़ई का विशेष आयोजन

मड़ई के दूसरे दिन यानी आज गुदरी मड़ई का आयोजन होगा, जो ग्रामीणों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। चादर, कपड़े, कंबल, गोदरी और घर-गृहस्थी की बड़ी खरीददारी इसी दिन होती है, इसलिए अधिक भीड़ और रौनक की पूरी संभावना है। ग्रामीणों और व्यापारियों दोनों में गुदरी मड़ई को लेकर विशेष उत्साह है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने स्वाइल्थ हेल्थ कार्ड का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने प्राकृतिक खेती योजनांतर्गत चयनित करेली विकासखंड के ग्राम पंचायत मानेगांव का भ्रमण कर किसानों से प्राकृतिक खेती से जुड़ने के लिए प्रेरित किया और उन्हें स्वाइल्थ हेल्थ कार्ड का वितरण किया। प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि प्राकृतिक खेती का अधिक से अधिक प्रचार- प्रसार कर किसानों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के उत्पादों को साप्ताहिक हॉट बाजार में छोटी- छोटी पैंकिंग करें और एफपीओ के माध्यम से लोकल मार्केट में विक्रय के लिए प्रोत्साहित करें। सहायक तकनीकी प्रबंधक आत्मा ने द्वारा प्राकृतिक खेती अंतर्गत चयनित क्लस्टर, जागरूकता कार्यक्रम आदि के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने किसानों को मिट्टी नमूना एकत्रीकरण तथा स्वाघ्इल हेल्थ कार्ड के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि प्राकृतिक खेती योजना अंतर्गत जिले में 25 क्लस्टर निर्मित किये गए हैं। विकासखंड करेली में 15 ग्राम पंचायतों में 5 क्लस्टर तैयार किये गये हैं, जिसमें 625 कृषकों को पंजीकृत किया गया है। इसी प्रकार जिले में कुल 3125 कृषक पंजीकृत किये गये हैं। इस अवसर पर एसडीएम मणिन्द्र सिंह, कार्यकारी संचालक अनिल राठौर, एमपीआईडीसी जबलपुर, उप संचालक कृषि मोरिस नाथ, तहसीलदार करेली सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी और कृषक मौजूद थे।

कलेक्टर ने बरमान मेला की तैयारियों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को बरमान के रेत घाट में मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाले मेले की पूर्व तैयारियों का जायजा लिया और स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, एसडीएम गाडरवारा श्रीमती कलावती ब्यारे सहित अन्य अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि बरमान में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से नर्मदा नदी की गहराई वाले हिस्सों में बैरिकेडिंग व सांकेतिक चिन्ह लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मेले की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से नर्मदा नदी के बरमानकलां, बरमानखुर्द एवं आसपास के ग्रामों में नवीन घाटों के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि मेले को आकर्षण बढ़ाने के लिए वर्तमान घाटों की रंगाई- पुताई, साफ- सफाई और सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि आने वाले श्रद्धालु सिर्फ आस्था ही नहीं, बल्कि नर्मदा जी की सुंदरता का भी अनुभव कर सकें। उन्होंने निरीक्षण के दौरान आवश्यक बेहतर व्यवस्थाएं, सुंदर घाट और सुरक्षित मेला और नर्मदा तट को एक प्रमुख टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की योजना बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इससे नरसिंहपुर जिले का ग्राम बरमानकलां धार्मिक पर्यटन क्रेन्द्र के रूप में विकसित हो सके।

नगरीय निकाय में हितग्राही पट्टा कार्रवाई शिथिल

प्रशासनिक अधिकारी नहीं दिखा रहे रुचि

कब मिलेगा गरीबों को शासकीय योजना का लाभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए अनेको योजनाएं संचालित कर उन्हे अच्छी व्यवस्थाएं देने के लिए प्रयासर्त है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने का काम करते रहते है और गरीबों को मिलने वाली योजनाओं का लाभ नही मिल पाता और गरीब वर्ग सरकार को कोसता हुआ नजर आता है। इसी प्रकार को मामला जिले मे नजर आया जहां पर भू अधिकार अधिनियम के तहत शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा भूमिहीन गरीबों को शासकीय भूमि पर पट्टा अधिकार देकर रहने की व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए पूरी तैयारी कर प्रशासनिक अधिकारियों को जांच हेतु आदेशित किया गया जिस कार्य मे जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा रुचि नहीं दिखाई जा रही है।

मामला इस प्रकार

मध्यप्रदेश शासन नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग मंत्रालय भोपाल तथा राजस्व विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा 17/11/2025 में पत्र क्रमांक/ एफ - 4209/2025/ 18-3 भोपाल जारी कर नगरीय प्रशासन शहरी आवास हेतु भूमिहीन गरीबों को पट्टा वितरण हेतु आदेशित किया गया है जिसकी अंतिम तिथि 13 दिसंबर 2025 रखी गई है। जिसकी प्रथम सूची को प्रकाशन 14 दिसंबर को किया जाना है। उक्त कार्य की ओर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि शहरी विकास प्राधिकरण के अनुसार भूमिहीन गरीबों को जो शासकीय भूमि पर काबिज है उन्हे पट्टा प्रदाय किया जाना है। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उक्त कार्रवाई में लापरवाही की जा रही है जिससे गरीबों को उनका हक मिलने मे कठिनाई होगी।

सरकार के मंसूबों पर फेर रहे पानी

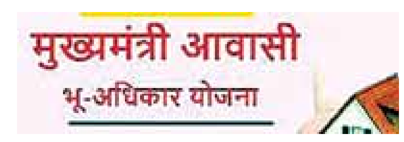

केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर जनता को सुविधा देने के लिए प्रयासरत रहती हैं। लेकिन इन योजनाओं को धरातल पर उतारने वाले अधिकारी अक्सर अति आवश्यक मुद्दों को नजरअंदाज कर देते हैं। परिणामस्वरूप गरीब और वंचित हितग्राहियों को योजना का लाभ पूरी तरह से नहीं मिल पाता। सरकार की जनकल्याणकारी योजना पट्टा अधिकार योजना शहरी क्षेत्र में निवासरत गरीब हितग्राहियों को पट्टा प्रमाण पत्र प्रदान करती है, जिससे वे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ ले सकें। केन्द्र सरकार का कहना है कि कोई भी गरीब बिना आवास के नहीं रहेगा, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर योजना को सही समय पर लागू नहीं किया जाता। यदि लागू भी कर दी जाती है, तो अधिकारी इसे अत्यंत धीमी गति से संचालित करते हैं।

पीएम आवास योजना हेतु पट्टा रजिस्ट्री अनिवार्य

प्रधानमंत्री आवास योजना 2 के तहत आवास का लाभ पाने के लिए गरीब हितग्राही के पास जमीन की रजिस्ट्री या शासकीय पट्टा प्रमाण होना अनिवार्य है। शहरी क्षेत्रों में अधिकांश लोगों के पास यह पट्टा नहीं होता और गरीब हितग्राही इतनी बड़ी रकम खर्च कर जमीन खरीदने में असमर्थ हैं। गरीब और वंचितों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए शासन ने पट्टा योजना शुरू की है।

मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति (पट्टाधुटि अधिकारों का प्रदाय किया जाना) अधिनियम 1984 की धारा 03 एवं 04 में संशोधन के पश्चात, 31.12.2020 की स्थिति में नगरपालिका/विकास प्राधिकरण की भूमि पर काबिज और पट्टा अधिकार प्राप्त करने के पात्र परिवारों को पट्टा देने के निर्देश दिए गए हैं। शासन के निर्देशानुसार, जिले की सभी नगर पालिका / परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में सर्वेक्षण कार्य के लिए दल का गठन किया गया है। यह दल तहसीलदार गोटेगांव के मार्गदर्शन में कार्य करेगा। सर्वेक्षण के बाद प्रारूप अनुसार सूची तैयार कर 13.12.2025 तक शासन को प्रस्तुत की जाएगी, ताकि 14.12.2025 को प्रारंभिक सूची प्रकाशित की जा सके। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नागरिकों का कहना है कि इस महत्वपूर्ण योजना के लिए बीते कई माह से प्रतीक्षित थे। प्रधानमंत्री योजना का लाभ पाने के लिए लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक योजना पर ठोस कार्यवाही न होना नगर में जन चर्चा का विषय बन गया है।

छात्राओं के आग्रह पर श्री पटेल कराएंगे विधानसभा भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शिक्षा के क्षेत्र में अनुभवात्मक अधिगम को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक सराहनीय पहल सामने आई जब सीएम राइज विद्यालय नरसिंहपुर की छात्राओं के अनुरोध पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश विधानसभा का भ्रमण कराने की सहमति जताई है। ज्ञात हो कि विगत दिवस विद्यालय में आयोजित साइकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने पटेल से भेंट कर स्वयं विधानसभा के सदन को देखने और वहाँ की कार्यप्रणाली को समझने की इच्छा जताई थी छात्राओं के इस आग्रह को पूर्व राज्यमंत्री ने न केवल गंभीरता से सुना, बल्कि तत्काल इसे पूरा करने का आश्वासन भी दिया विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने विधानसभा भ्रमण की पूरी प्रक्रिया पूर्ण कर ली है और इसके तहत शुक्रवार को विद्यार्थी उनके साथ भोपाल के लिए रवाना होंगे। छात्राओं में इस बात को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि नई पीढ़ी को लोकतंत्र की कार्यशैली से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है। यदि बच्चे कम उम्र में ही शासन-प्रशासन और विधायी व्यवस्था की मूलभूत संरचना को समझ लेते हैं, तो भविष्य में वे अधिक जागरूक नागरिक बन सकते हैं शुक्रवार को होने वाला यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होने की उम्मीद है।

श्रीमती शांति बाई का निधन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नगर निवासी स्व श्री द्वारका प्रसाद नेमा की धर्मपत्नी एवं नरेंद्र नेमा एलआईसी निवासी स्टेशनगंज की माताजी श्रीमती शांति बाई नेमा रिटायर्ड शिक्षिका का स्वर्गवास हो गया है। आप श्याम सुंदर, राकेश, रामकुमार, देवी प्रसाद, नारायण प्रसाद, संजय नेमा, सतीश नेमा एवं संदीप नेमा की भाभी थी जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया जावेगा।

कलेक्टर ने किया महिला किसान प्रोड्यूसर कम्पनी का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विकासखंड करेली स्थित मप्र डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन नरसिंहपुर द्वारा गठित शक्ति पूजा महिला किसान प्रोड्यूसर कम्पनी का निरीक्षण बुधवार को किया। उन्होंने कम्पनी द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों, महिला किसानों द्वारा उत्पादित कृषि एवं मूल्य संवर्धित उत्पादों तथा संस्था की कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी ली और समीक्षा की। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती मीना परते व विकासखंड स्तरीय स्टॉफ मौजूद था। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कम्पनी द्वारा महिलाओं को आजीविका के विविध अवसर उपलब्ध कराने, उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने निर्देशित किया कि महिला किसान कम्पनी द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों को करेली व नरसिंहपुर के बड़े शॉपिंग स्टोर्स किराना दुकानों में प्रदर्शन एवं विक्रय किया जाए। कलेक्टर ने महिला सदस्यों से उनकी उपलब्धियों, चुनौतियों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। संगठन को बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शक्ति पूजा महिला किसान प्रोड्यूसर कम्पनी द्वारा कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्थानीय उत्पादों को बाजार में उपलब्ध कराने तथा महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

अपमानजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में आज कुर्मी समाज सौपेंगा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कुर्मी समाज को मुरारी पांडे नामक व्यक्ति द्वारा अभद्र भाषा का उपयोग कर अपमानित किया गया है, एक उच्च वर्ग जो हिन्दू धर्म में पूज्यनीय माना जाता है उसके द्वारा कुर्मी समाज को लेकर अशोभनीय टिप्पणी की गई है और बार बार दोहराया है। इससे हम आहत हैं और 5 दिसंबर को दोपहर 12 बजे मुरारी पांडे पर दंडात्मक कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जाएगा।कुर्मी समाज के सभी साथियों से अनुरोध है कि दोपहर 12 अंबेडकर चौक पहुंचकर पहुंच कर अपने अपमान के विरोध में एक जुट होने का कष्ट करें। यहां से एक साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा जाएगा।

श्रद्धांजलि सभा एवं विचार संगोष्ठी 6 को

हरिभूमि न्यूज सिवनी। बहुजन समाज पार्टी द्वारा 6 दिसंबर 2025 को कचहरी चौक सिवनी में भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉ अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर जॉन स्तरीय श्रद्धांजलि सभा एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन सुबह 11 बजे से आयोजित है जिसे संबोधित करेंगे बालकिशन चौधरी केंद्रीय स्टेट कोऑर्डिनेटर बसपा मध्यप्रदेश एवं उमाकांत बंदेवार जॉन प्रभारी बालाघाट, अजाब शास्त्री जॉन प्रभारी बालाघाट, प नंदौरे जिला अध्यक्ष सिवनी द्वारा दी गई है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया में डॉक्टरों द्वारा नेत्र एवं दंत स्वास्थ्य जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम

उमरिया के शासकीय विद्यालय में दंत एवं नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया गया श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव द्वारा संचालित कार्यक्रम में डॉ जयदीप श्रीपाल दंत चिकित्सक डॉ संदीप चौधरी नेत्र चिकित्सक(श्रीधाम आई केयर) द्वारा छात्र-छात्राओं का प्रशिक्षण किया गया इस कार्यक्रम में श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव द्वारा प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव से भी अवगत कराया एस.डी.ओ.पी मनीष त्रिपाठी जी एवं चौकी प्रभारी सुरेश धुर्वे जी द्वारा भी कार्यक्रम में सहभागिता की गई श्री त्रिपाठी जी ने विशेष कर छात्राओं को आगाह किया कि कठिन परिस्थितियों में वह अपने माता-पिता अपने टीचर और पुलिस जो उनकी मदद के लिए सदैव तत्पर हैं उन्हें अपनी समस्याएं जरूर बताएं इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विद्यालय के प्राचार्य महोदय जी समस्त शिक्षकगण का सहयोग सराहनीय रहा प्रश्न मंच में विजयी छात्र-छात्राओं को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया इस कार्यक्रम में श्रीमती प्रभा विश्वकर्मा अंजली मेहरा प्राचार्य डी एल कनेरिया, श्री राजेंद्र ठाकुर, देवेंद्र ठाकुर एस.के पुरिया अनुपम तिवारी सूर्यांश साहू ज्ञानेश यादव लक्ष्मण पटेल अखिलेश मुड़िया शिवानी पाठक मुस्कान चौरसिया का सहयोग सराहनीय रहा।

कलचुरी समाज गोटेगांव ने आज कलचुरी भवन के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया

गोटेगांव श्रीधाम कलचुरी समाज के आराध्य देव श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की कृपा से कलचुरी भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन शुभ मुहूर्त में पंडित योगेश दुबे के आचार्यत्व में पूर्ण विधि विधान से संपन्न हुआ जिला अध्यक्ष पंकज चौकसे एवं क अध्यक्ष राजेंद्र राय के सानिध्य में द्वारा पूजन अर्चन किया गया इस शुभ अवसर पर कलचुरी समाज के पदाधिकारी एवं सामाजिक जनौ और मातृशक्ति की उपस्थिति में पूजन संपन्न हुआ इस गरिमामईबेला में प्रमुख रूप से उनकी उपस्थिति रहीं। जिला अध्यक्ष पंकज चौकसे नगर अध्यक्ष राजेंद्र राय महामंत्री मनोज राय सेवक चौकसे राकेश चौकसे शारदानुजराय रामकुमार जायसवाल गणेश राय अमित राय अनुराग राय आशीष राय दस्सी नीतू राय पप्पू राय एवं मातृशक्ति से श्रीमती अर्चना चौकसे श्रीमती मनीषा राय एवं समस्त कलचुरी समाज की उपस्थिति रही।

प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य डॉ.जितेन्द्र चौबे एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. मनीषा चौबे को काशी हिंदी विद्यापीठ द्वारा मानद सम्मान प्रदान कर किया सम्मानित

श्रीधाम नगर गौरव पंडित कन्छेदीलाल चौबेजी परिवार के सपूत, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र चौबे को ज्योतिष एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट उल्लेखनीय योगदान के लिए काशी हिन्दी विद्यापीठ द्वारा विद्या-सागर (डी.लिट् समतुल्य) का मानद सम्मान प्राप्त हुआ। साथ ही आपकी धर्मपत्नी डॉ. मनीषा चौबे जी को भी काशी हिन्दी विद्यापीठ द्वारा शिक्षा एवं समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान, विभिन्न अनुपम उपलब्धियों के लिए विद्या-वाचस्पति (पी.एच.डी.समतुल्य) मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

इमझिरा की दिव्यांग छात्रा ने कलेक्टर के साथ फीता काटकर प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

तेंदूखेड़ा। प्रतिभाएं किसी परिचय की मोहताज नहीं हुआ करतीं मौका मिलते ही खुद निकाल कर मेहनत परिश्रम के बलबूते पर समाज में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नाम रोशन किया करते हैं। मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति हो तो शरीर के साथ ना देते हुए भी बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। ऐसा ही एक उदाहरण शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चांवरपाठा में विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर आयोजित विकलांग प्रतियोगिता में देखने को मिला। विकासखंड के 9 जनशिक्षा केंद्रों से 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए विकलांग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें सभी शासकीय शालाओं के विकलांग बच्चों ने भाग लिया था। उसमें चयनित हुए प्रथम द्वितीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को जिला स्तर पर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित किया गया है।जिसमें ग्राम इमझिरा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से कक्षा 6 वीं की दिव्यांग बालिका तमन्ना जाटव पिता हाकम जाटव का जिला स्तर पर चयन हुआ था। जिसे जिला कलेक्टर द्वारा इस दिव्यांग बालिका से फीता कटवाकर जिला स्तर पर आयोजित विकलांग प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया गया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग सहित जिले के आला अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने तारीफ करते हुए कहा कि यह बालिका बहुत ही लग्नशील और मेहनत सील है। इस बच्ची का मानसिक विकास जरूर अवरुद्ध हुआ है। परंतु उसके अंदर बहुत प्रतिभा है वह हर कार्य लगन से करती है उक्त बालिका द्वारा कुछ ही समय में जिला कलेक्टर के समक्ष रंगोली बना कर एवं मेहदी लगा के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। वही प्रतियोगिता में भाग लेते हुए इस बालिका के द्वारा भी जिला स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया गया है अब यह बालिका संभाग स्तर पर अपनी कला का प्रदर्शन करेगी। ज्ञात हो कि यह बालिका ग्राम इमझिरा में भी अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में डांस आदि कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया करती है। जिला कलेक्टर द्वारा इस बालिका के लिए हर संभव की मदद मुहैया कराने के लिये अधिकारियों को निर्देशित भी किया है। परिवार में खुशी का माहौल देखने को मिला।